2006 : 20

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आलोचनात्मक अध्ययन

D- 237

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम.एड. प्रारंभिक शिक्षा उपाधि

की

आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

2006-2007

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

शोधकर्ता

पूजा कश्यप

एम.एड. प्रारंभिक शिक्षा

मार्गदर्शक

प्रो. जी.एन.पी. श्रीवास्तव

विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.

सहमार्गदर्शक

डॉ. एम.के. श्रीवास्तव

प्रवक्ता तदर्थ शिक्षा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(रा.शै.अनु. और प्रशि.परिषद)

श्यामला हिल्स भोपाल, म.प्र.

घोषणा-पत्र

मैं पूजा कश्यप छात्रा एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करती हूँ, कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आलोचनात्मक अध्ययन नामक विषय पर लघु शोध प्रबंध 2006-07 में प्रो. जी. एन. पी. श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, व डॉ. एम. के. श्रीवास्तव प्रवक्ता तदर्थ शिक्षा शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं। यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. प्रारंभिक शिक्षा उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। इस शोध में लिये गये आंकड़ों एवं सूचनाओ को विश्वसनीय स्त्रोतो तथा मूल स्थानों से प्राप्त किया गया हैं, तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

Kashyap

स्थान : भोपाल

दिनांक : 16/04/07

शोधकर्ता

पूजा कश्यप

एम.एड. प्रारंभिक शिक्षा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पूजा कश्यप जो कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल (म.प्र.) में नियमित छात्रा के रुप में अध्ययनरत् है, ने एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा मे स्नातकोत्तर उपाधि हेतु लघु शोध प्रबंध कार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आलोचनात्मक अध्ययन मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया गया हैं। लघु शोध मौलिक हैं जो इनकी लगन और निष्ठा से किया गया प्रयास हैं।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की सन 2006-2007 की शिक्षा मे स्नातकोत्तर उपाधि (एम. एड.) परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 16.4.06

मार्गदर्शक
18.4.2007
प्रो.(डॉ.) जी.एन.पी श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

18/04/07
सहमार्गदर्शक
डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
प्रवक्ता तदर्थ शिक्षा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध संबंधी कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मैं, मेरे मार्गदर्शक परम श्रद्धेय प्रो. (डॉ.) जी. एन. पी. श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को देती हूँ जिन्होनें निरंतर उचित परामर्श पर्याप्त निर्देशन तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोध कार्य को पूर्ण करने मे अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया हैं।

मैं डॉ. एम. के. श्रीवास्तव की हदय से कृतज्ञ हूँ, जिन्होनें लघु शोध प्रबंध संबंधी कार्य में मुझे उचित मार्गदर्शन दिया। मै परम आदरणीय प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल प्रो. आनंद बिहारी सक्सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ जिन्होनें योग्य मार्गदर्शन तथा अनुकूल वातावरण एवं सुविधाये देकर इस कार्य को सुगम बनाया।

मैं डॉ. एस. के. गुप्ता, डॉ. लक्ष्मीनारायण, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. के. के. खरे, डॉ. रत्नमाला आर्य, संजय पंडागले की हृदय से आभारी हूँ जिन्होनें सेमीनार तथा समय समय पर अपना उचित मार्गदर्शन प्रदान करके मेरे शोध कार्य का मार्ग प्रशस्त किया।

मैं उन पांचो जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्यो प्रशिक्षको व प्रशिक्षणार्थियों की हृदय से आभारी हूँ जिन्होने मेरे शोध कार्य में सहयोग प्रदान करके उसे पूरा करने में सहायता प्रदान की ।

मैं अपने मित्रगणो की हृदय से आभारी हूँ जिन्होनें मेरे शोध कार्य में सहयोग प्रदान करके उसे पूरा करने में सहायता प्रदान की ।

मै दादा व दादी जी, राजेश व प्रवित प्रसाद एवं अपने परिजनो की आभारी हूँ जिनके पूर्ण सहयोग से मैं अपना शोध कार्य पूर्ण कर सकी ।

शोधकर्ता

पूजा कश्यप

एम.एड. प्रारंभिक शिक्षा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

घोषणा–पत्र

प्रमाण–पत्र

आभार ज्ञापन

	विषयवस्तु	पृष्ठ क्रमांक
अध्याय प्रथम	**प्रस्तावना**	1 – 7
1.1	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)	2
1.2	राष्ट्रीय शिक्षक–प्रशिक्षण परिषद –2005	4
1.2.1	राष्ट्रीय शिक्षक–शिक्षा परिषद् की आवश्यकता	4
1.2.2	राष्ट्रीय शिक्षक–शिक्षा परिषद् के कार्य	5
1.3	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा –2005	5
1.3.1	शिक्षक–शिक्षाः वर्तमान सरोकार	6
1.4	अध्ययन की आवश्यकता	6
1.5	समस्या कथन	7
1.6	अध्ययन के उद्देश्य	7
1.7	शोध की परिसीमाएँ	7
अध्याय द्वितीय	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	8 – 11
2.1	संबंधित पूर्वशोध कार्यो का पुनरावलोकन	8
अध्याय–तृतीय	**शोध विधि**	12 – 14
3.1	प्रतिदर्श	12
3.2	उपकरण	13
3.3	जाँच परीक्षण	14
3.4	प्रदत्तों का संकलन	14
अध्याय–चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या**	15 – 42
4.1	प्रदत्तों का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	15
4.2	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राचार्यो द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण	15
4.3	सेवाकालीन प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षको से	21

	विषयवस्तु	पृष्ठ क्रमांक
	प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण	
4.4	प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षकको द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण	26
4.5	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण	31
अध्याय–पंचम	**सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव**	**43 – 48**
5.1	सारांश	43
5.2	अध्ययन की आवश्यकता	43
5.3	समस्या कथन	44
5.4	अध्ययन के उद्देश्य	44
5.5	शोध की परिसीमाएँ	44
5.6	अध्ययन की विधि एवं उपकरण	45
5.7	मुख्य परिणाम	45
5.8	सुझाव	48
संदर्भ ग्रंथ		49
परिशिष्ट		
1	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्ययन साक्षात्कार अनुसूची (प्राचार्यो के लिये)	
2	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्ययन प्रश्नावली (प्रशिक्षको के लिये)	
3	सेवाकालीन प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्ययन प्रश्नावली (प्रशिक्षको के लिये)	
4	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्ययन प्रश्नावली (प्रशिक्षणार्थियों के लिये)	
तालिका सूची		
1	प्रतिदर्श की स्थिति	13
2	प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राचार्यो द्वारा प्राप्त प्रदत्तों	15

LIBRARY

	विषयवस्तु	पृष्ठ क्रमांक
	का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	
3	सेवाकालीन प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षको से प्राप्त प्रदत्तों का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	21
4	प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षको द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	26
5	प्राथमिक शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षणार्थियो से प्राप्त प्रदत्तों का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	31
6	प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राचार्य व प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों से सम्मिलित रूप से प्राप्त प्रदत्तों का सारणीयन द्वारा विश्लेषण	33